



#Q3 NEWSLETTER (OCT-DEC'20)





About IIMPACT.....	03
Highlights.....	04
IMPACT's reach.....	07
Training & capacity building.....	08
Moving Towards Renaissance (Review Meeting).....	09
Events & Activities.....	10
Music for IIMPACT.....	13
Media coverage.....	14
Stories from the field.....	15
Pictures from the field.....	18

About IIMPACT

IIMPACT was started by the 1978 batch alumni of IIM-Ahmedabad. Under its Girl Child Education Program, IIMPACT identifies out of school/ irregular/ dropout girls in rural villages of India and provides them with quality primary education. IIMPACT started with just 450 girls and 15 Learning Centres in 2004. Today IIMPACT supports over 57000 Girls in 1925 Learning Centres spread across 33 Districts of 11 States in India. The IIMPACT Learning Centre model establishes single-teacher led Learning Centres imparting Primary-level education using a Multi-Grade Multi-Level approach. IIMPACT runs this project for about 5-6 years in one locality, up to the time that each girl enrolled in the Learning Centre has received a firm grounding in primary education.



Highlights

Door to Door Intervention



Continued Education through Alternate Learning Arrangement



E-Shiksha '*Ek Nayi Disha*' with MG Motor



Covid-19 Preventive Measures



Ek-Samuday Ek Abhiyan

(in picture: a community member giving 'darris' for LC)



Mohalla Pathshala



Distribution of relief materials supported by Titan



Community homes construction support post Amphan



Night Choupal



Sabera award



 Making a difference

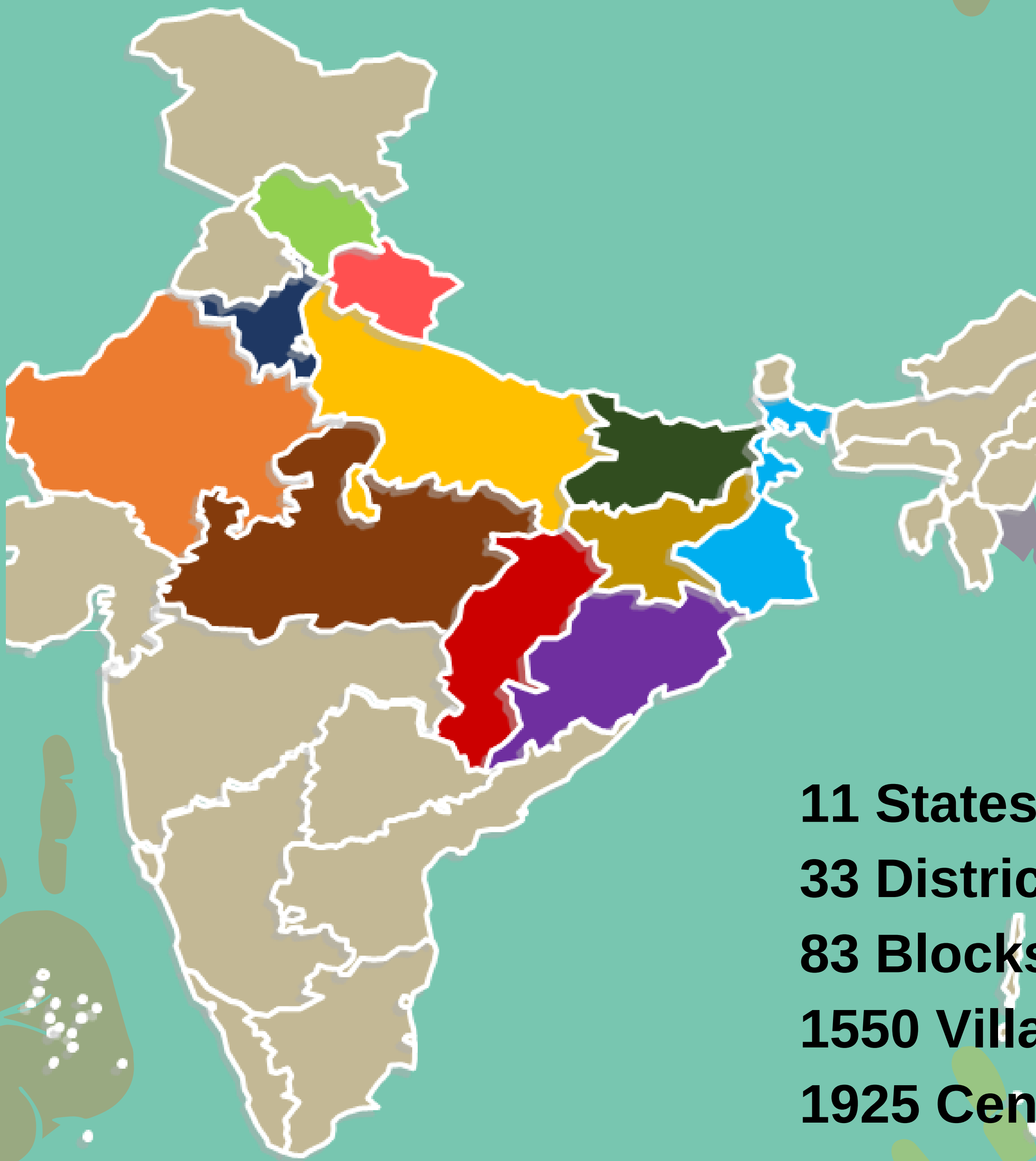
With a unanimous vote we won the

सबेरा Trophy

*under the SHIKSHA
(Education) category*

सबेरा SABERA (Social And Business
Enterprise Responsible Awards) &
Summit recognized the
exceptional work done by IIMPACT
in the Indian development sector

IIMPACT's Reach



11 States

33 Districts

83 Blocks

1550 Villages

1925 Centres

1925 Learning Centre Teachers

19000+ Community members

57000+ Girl children

Training and Capacity Building

39 QTT

(Quarterly Teacher Training)

6 TOT

(Training of Trainers)

1 DTT

(Direct Teacher Training)

The QTT approach shifted from a virtual teacher training format to an amalgamation of both face to face and virtual

TOTs were held on the following topics:

- Mission Equip
- SOP of QTT
- Focus Note (Oct-Dec)

Introduced to teachers various activities for the LC students to develop their understanding on measurement



Teacher training at Prayagraj



Teacher training at Mewat

'Moving towards Renaissance'

The IIMPACT team came together for a review meeting from the 1st to 4th of Nov to remember the past, acknowledge the present, and envision the future. The review covered 3 key aspects:



1. Strategies and preparations to work in new normal - post COVID



2. Understanding aspects of intersectionality and the issues of 'Identity' in designing and delivering education to rural marginalized Girls with Abha Bhaiya



3. IIMPACT Future Strategy using the Theory of Change framework



EVENTS and Activities

Gandhi Jayanti, 2 Oct

Gandhi Jayanti was celebrated at IIMPACT Learning Centres to acquaint girls with Gandhi's story, principles, philosophies, & role in the Indian freedom struggle through their participation in various activities like dance, drama, music, poetry, cleanliness drives, & games



International Girl Child Day, 11 Oct



Also known as the International Day of the Girl, this day was celebrated at IIMPACT Learning Centres to support opportunities for girl children and increase awareness about gender inequality faced by girls worldwide; which affects their access to education, nutrition, legal rights, medical care, and protects them from discrimination, violence, and forced child marriage

Children's Day, 14 Nov

Children's Day was celebrated at IIMPACT Learning Centres to create awareness regarding the rights of children with respect to their care & education. Interactive games were organised and in some centres the girls also took out rallies. The girls also sang, danced, recited poems and read quotes by Pandit Jawaharlal Nehru on his birth anniversary



Constitution Day, 26 Nov



Constitution Day (or Samvidhan Divas), also known as National Law Day, is celebrated in India on 26 November every year to commemorate the adoption of the Constitution of India. On this day the teachers and the field team gathered together to recite the preamble from the Constitution

E- Shiksha 'Ek Nayi Disha' with MG Motor, 7 Dec

This campaign launched in June 2020 aims to establish e-learning centres across the remotest region of India. The E-Shiksha online digital learning centres were launched with the onset of the COVID-19 outbreak in March 2020 to support girl child education. MG Motor has so far assisted the transformation of 15 IIMPACT learning centers to IIMPACT-ech Studios (digital learning centers) by driving tech-enablement.



Music for IIMPACT



Aashayein, 28 Nov

A musical fundraiser



AASHAYEIN

*An enchanting evening of songs
from the golden age of Bollywood*

NOV • 28 • 2020

18:30 TO 20:00 (LIVE ON YOUTUBE)

[IIMPACT.ORG/MUSIC-FOR-IIMPACT](https://iimpact.org/music-for-iimpact)

iimpact
Making a difference

IIMPACT joined hands with Rajeswari Venkataraman, Shrihari Balasubramaniam, and Chirantan Bhabhra to raise funds for girl child education through an evening full of music from the golden era of Bollywood

Media Coverage

बालिका शिक्षा कार्यक्रम को बढ़ावा देने लिए ब्लॉक झिरका के गाँव बसई मेव और बीवाँ में IIMPACT सहयोग से समुदाय को बालिका शिक्षा के लिए

बिलाल अहमद/ब्यूरो चीफ नूह मेवात। IIMPACT-SPECTRA द्वारा मेवात में चलाये जा रहे बालिका शिक्षा कार्यक्रम को बढ़ावा देने लिए ब्लॉक झिरका के गाँव बसई मेव और बीवाँ में IIMPACT के सहयोग से समुदाय को बालिका शिक्षा के लिए प्रेरित किया गया। IIMPACT-SPECTRA द्वारा इन गाँवों में मोहल्ला पाठशाला और बालिका शिक्षा केन्द्रों के माध्यम से बालिकाओं को शिक्षा देने का काम कर रही है 7 साथ में COVID-19 के चलते संस्था ने COVID-19 से बचने के लिए समुदाय को जागरूक कर रहे हैं। जिसमें IIMPACT से सुभांगी शर्मा ने गाँव वालों से लड़कियों की शिक्षा में कई फायदे हैं। एक सुशिक्षित और सुशोभित लड़की देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा



करके हम केवल एक व्यक्ति को शिक्षित करते हैं लेकिन अगर हम एक महिला को शिक्षित करते हैं तो हम पूरे परिवार

को सही भूमिका निभा का पूरा सा

फिरोजपुरझिरका, 10 अक्टूबर (ब्यूरो): मेवात में शिक्षा दूत शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं, मोहल्ला पाठशाला के लिए गैर सरकारी संगठनों ने आगे आकर मदद करने की पहल की है, शनिवार को इम्पैक्ट स्पेक्ट्रा के स्वयं सेवी अध्यापकों की जिला शिक्षा अधिकारी ने बैठक ली।

और सभी शिक्षा दूतों को कोविड-19 को ध्यान रखते हुए मोहल्ला पाठशाला चलाने के बारे में दिशा निर्देश दिए। इम्पैक्ट स्पेक्ट्रा की ट्रेनिंग हेड प्रीति मुंजाल ने कहा कि इम्पैक्ट के सभी अध्यापक मोहल्ला पाठशाला चलाएंगे, और महामारी के दौर में शिक्षा विभाग का पूरा सहयोग करेंगे, प्रोजेक्ट ऑफिसर सदीक अहमद ने सभी अध्यापकों को निर्देशित किया कि वो बच्चों की सुरक्षा का ध्यान रखें। मोहल्ला पाठशाला के खंड

शिक्षा दूत जला रहे शिक्षा की लौ

100 नई मोहल्ला पाठशाला हुई शु



शिक्षा दूतों को दिशा निर्देश देते जिला शिक्षा अधिकारी अनूप जाखड़।

कोर्डिनेटर नाजिम आजाद ने सभी शिक्षा दूतों को बताया कि हर सोमवार को विभाग गूगल लिंक भेजता है। इसे हर शिक्षा दूत को भरना है, नाजिम आजाद ने सभी शिक्षा दूतों को गूगल लिंक भरने का तरीका बताया। ब्लॉक कोर्डिनेटर कुसुम मलिक ने शिक्षा

दूतों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि महामारी में शिक्षा दूतों ने जो कार्य किया है वो अविश्वसनीय है। शिक्षा दूत बच्चों का दाखिला भी सरकारी स्कूल में कराएँ। मेवात कारवां के अध्यक्ष डॉ अशफाक आलम ने शिक्षा दूतों को संबोधित करते हुए

कहा कि हम शिक्षा इसी कर रहे हैं कि जरूरत पड़ने को कुछ दे सकें।

अब समाज को आप है ऐसे में शिक्षा दूत अपनी भूमिका अदा कर सकते हैं, वे को कोर्डिनेटर अफसाना ब कि उन्हें खुशी है कि मेवात शिक्षा दूत के रूप में बेटे हैं, ये उन लोगों के लिए जो कहते हैं कि मेवात में जागरूक नहीं हैं। अब बेटिया भी इतिहास लि अबसर युवा शक्ति टीम लगभग 84 शिक्षा दूत प्रधानाचार्य लाल खा, उ फनेन्द्र गुप्ता, सतीश कुमार खा, शशिकांता, कासिम आ सभी मुख्य अध्यापक सरकारी संगठनों के उपस्थित थे।

कापियों के माध्यम से कोरोना पर जागरूकता



रो/नवज्योति, उदयपुर। अलर्ट संस्थान उदयपुर की ओर से एवं एचडीएफसी लाइफ के सहयोग से राजसमंद के रेलमगरा जिले में बालिका शिक्षा कार्यक्रम के तहत दूरस्थ क्षेत्र के गाँवों की जरूरतमंद बालिकाओं को नियमित शिक्षा से जोड़ने तथा जागरूकता के उद्देश्य से कापियों का वितरण किया गया। संस्थान ने बताया कि विगत 2 वर्षों से संचालित इस परियोजना के कोरोना संक्रमण को देखते हुए संस्थान द्वारा बालिकाओं को सही वाली कापियों पर कोरोना महामारी से बचने के जागरूकता के साथ प्राथमिकता से प्रदर्शित किया गया है। इन कापि संस्थान की बालिका शिक्षा परियोजना टीम के समन्वयक यास एवं सुपरवाइजर नरेश शर्मा व रतन कुमावत के नेतृत्व में ब्लॉक की अनुदेशकों ने किया।



रेलमगरा। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित कार्यक्रम उपस्थित बालिकाएं।

की जानकारी दी जा रही है। इस दौरान मीनाक्षी शर्मा, ममता जाट, खुसबू सुखवाल, रक्षा आमेटा आदि मौजूद रहे।

अलर्ट संस्थान द्वारा रेलमगरा ब्लॉक की दूरस्थ क्षेत्रों की जरूरतमंद परिवारों की बालिकाओं के साथ इंपैक्ट गुरु ग्राम के सहयोग से संचालित बालिका शिक्षा परियोजना के तहत अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर संस्थान के निदेशक एवं बाल सुरक्षा नेटवर्क के संयोजक बी.के. गुप्ता ने कहा कि कोरोना काल में बालिकाओं की शिक्षा के साथ साथ सुरक्षा भी अहम है। संस्थान के रेलमगरा ब्लॉक

समन्वयक पुष्कर व्यास कि वर्तमान में संस्थान द्वारा क्षेत्रों की 11 पंचायतों के की लगभग 900 बालिका सतत रूप से शिक्षा से जो व कोरोना पर जागरूकता से स्थानीय स्तर पर समुदाय से नियमित रूप से जागरूक का कार्य किया जा रहा है के लिए संस्थान सुपरवाइ शर्मा व रतन कुमावत नि से अनुदेशकों के माध्यम समुदायों के साथ मिलकर ब को जागरूक व शिक्षित कार्य कर रहे हैं।

Stories from the Field

Girl Case Study

"Muskan ki shiksha"

Muskan is a 7-year-old girl student of an IIMPACT Learning Centre in the Mewat district of Haryana. She never had the opportunity to go to school because her parents were against the education of girls. The teacher of the Learning Centre had to do multiple visits to her home to convince her parents and get Muskan enrolled in the Learning Centre. After many attempts, they finally agreed. Muskan from day 1 was always very eager to learn and know new things. She is a fast learner and quickly progressed to reading small words, writing her name, and reciting English and Hindi poems. She is a very bright girl who loves reading storybooks. She would read new stories and narrate the stories to the other girls in the Centre. Her parents are happy to see her progress and are thankful to IIMPACT for changing their mindset and paving the way towards a better future for their daughter.



Teacher Case Study

"Centre se school tak"

Sushila Damor is a teacher of a Learning Centre in the Banswara district of Rajasthan. She is a widow and a mother of a 7-year-old boy. The death of her husband led to the poor financial condition of her family. The opportunity to work as a teacher in the IIMPACT Learning Centre helped her earn a living for her family. Sushila armed with a B.ED degree, hard work and patience tried to imbibe all she could from the training, and then go on to use them when interacting with the girls in her Centre. She is grateful to IIMPACT for providing her with a respectful job as well as become independent. Sushila Damor has currently been selected as a senior teacher in the Government Girls Upper primary school.



Community Case Study

"Shiksha ko raasta"

Ram Jivan Master is a reputed & responsible person of the Lawani village in Bihar. He is the principal of the local Government middle school. In 2017 when IIMPACT started its Learning Centre in the village, it was challenging to find space for the centre; however, Ram Jivan Master came forward and supported the field team in finding a proper place to run the project. He had always supported and motivated the teachers and children in the community by helping them understand the importance of education. During the spread of COVID-19, he had supported the people of the Centre and the village by distributing floor mats, soaps, and sanitizers among them. IIMPACT is grateful to Ram Jivan Master for his constant support to the Girl Child Education Program.



Pictures from the Field



E-Shiksha for the girls



Village Sarpanch teaching a child in the community



Teachers practising Yoga



LC running under ALA (Alternate Learning Arrangement)



Student reciting story



Event celebration at LC

Thank you for Empowering the Girl Child

**SHE HAS ALWAYS BEEN AT THE FOREFRONT OF EVERY CRISIS,
SHE HAS BEEN THE SAVIOUR,
AND THE SURVIVOR
AMIDST EMERGENCIES**

**STILL, SHE IS MOST VULNERABLE WHEN CALAMITIES OCCUR.
SHE IS THE FIRST ONE TO GO HUNGRY,
IF FOOD IS SCARCELY AVAILABLE IN THE FAMILY,
SHE IS THE FIRST ONE TO LOSE HER LIVELIHOOD**

**SHE FACES THE RISK OF TRAFFICKING, VIOLENCE,
AND ABUSE UNDER ADVERSE CONDITIONS.
TO ADD TO HER MISERY, SHE IS THE FIRST ONE TO LOSE
OUT ON EDUCATIONAL OPPORTUNITIES**

IF SHE LOSES, OUR NATION WILL LOSE, HUMANKIND WILL LOSE.

**DON'T BE A SILENT OBSERVER,
COME FORWARD, RAISE YOUR VOICE!**

**IF YOU DON'T, HER STRENGTH IS LIKELY TO BE LOST
FOREVER**

**JOIN HANDS WITH IIMPACT TO SUPPORT THESE SILENT
WARRIORS.**

**LET US ENSURE THAT THESE INNOCENT SMILES DON'T
FADE AWAY.**

DONATE NOW!



**M 2/3 (Gr. Floor), DLF Phase-2,
Gurugram, Haryana, India-122002**



0124-4276865 / 6



info@iimpact.org



www.iimpact.org